वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

4

पिछले अध्याय में आप कंपनी के वित्तीय विवरणों (आय विवरण एवं तुलनपत्र) के बारे में पढ़ चुके हैं। सामान्यत: ये संक्षिप्त वित्तीय प्रतिवेदन हैं जो कंपनियों की प्रचालन एवं वित्तीय स्थिति दर्शाते हैं। साथ ही इन प्रतिवेदनों में समाप्ति विस्तृत सूचनाएँ प्रचालन, कार्यक्षमता और वित्तीय सुदृढ़ता के मूल्यांकन हेतु सहायक होती है। इसके लिए सही विश्लेषण और व्याख्या की आवश्यकता पड़ती है जिसके लिए विशेषज्ञों द्वारा भिन्न-भिन्न तरह की तकनीकों का गठन किया है। इस अध्याय में हम इन तकनीकों का अवलोकन करेंगे।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप :

- *वित्तीय विवरण से तात्पर्य एवं उनके विश्लेषणों की व्याख्या कर सकेंगे ;*
- *वित्तीय विश्लेषणों के महत्त्व की पहचान कर सकेंगे;*
- *वित्तीय विश्लेषण की तकनीक का वर्णन कर सकेंगे;*
- *वित्तीय विश्लेषणों की सीमाओं को बता सकेंगे;*
- *तुलनात्मक एवं सामान्य आकार के विवरणों को तैयार करना तथा उसमें दिए गए आँकड़ों की व्याख्या कर सकेंगे;*
- *प्रवृत्ति प्रतिशत का परिकलन एवं उनकी व्याख्या कर सकेंगे।*

4.1 वित्तीय विवरण-विश्लेषण का तात्पर्य

वित्तीय विवरणों में सन्निहित वित्तीय सूचनाओं को समझने के क्रम में तथा फर्म के संचालन संबंधी निर्णयों को लेने के लिए विवेचनात्मक परीक्षण प्रक्रम को वित्तीय विवरण विश्लेषण कहते हैं। यह मूलभूत रूप से वित्तीय विवरण में दिए गए विभिन्न संख्याओं और तथ्यों के बीच संबंधों का अध्ययन तथा व्याख्या है जिससे किसी भी फर्म की लाभप्रदता और प्रचालन कार्यक्षमता दृष्टिगत होती है जो वित्तीय स्थिति एवं भविष्य परिदृश्य के मूल्यांकन में सहायक होती हैं।

वित्तीय विश्लेषण में विश्लेषण और व्याख्या दोनों का समावेश है। विश्लेषण से आश्य वित्तीय विवरणों में दिए गए वित्तीय आंकड़ों का विधिवत वर्गीकरण द्वारा सरलीकरण करना है। व्याख्या से आश्य आंकड़ों के अर्थ एवं अभिप्राय स्पष्ट करने से है। यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। विश्लेषण बिना व्याख्या अर्थहीन है और व्याख्या बिना विश्लेषण कठिन ही नहीं असंभव है।

© NCERT not to be republished

बॉक्स

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण को ब्रंस्टेन ने इस प्रकार परिभाषित किया है: एक निर्णायक प्रक्रिया जो भूतपूर्व और पूर्वानुमानि वर्तमान वित्तीय स्थिति की ओर अंकित करती है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य भविष्यकालीन परिस्थितियों के लिए सर्वोच्य अनुमान ज्ञात करना है। इसमें मुख्यत: वित्तीय विवरणों में दर्शायी गई सूचनाओं का पुन: समूहीकरण और व्याख्या का समावेश होता है जो व्यावसायिक इकाइयों की क्षमता और कमजोरियों पर प्रकाश डालता है, जो कि अन्य फर्मो से तुलना (अनुप्रस्थ व्याख्या) और फर्म की विभिन्न समयविधियों पर स्वयं का निषपादन (समय श्रृंखला विश्लेषण) संबंधी निर्णय लेने में सहायक हो सकते हैं।

4.2 वित्तीय विश्लेषण का महत्व

वित्तीय विश्लेषण एक फर्म की वित्तीय सुदृढ़ता एवं कमजोरियों को पहचानने का एक प्रक्रम है, जिसमें तुलन पत्र तथा लाभ व हानि खाता की मदों के बीच उचित संबंधों को देखा जाता है। वित्तीय विश्लेषण की जिम्मेदारी फर्म के प्रबंधन द्वारा या फर्म से बाहर के पक्षों द्वारा ली जा सकती है जैसे कि फर्म का स्वामि व्यापारिक लेनदार, ऋणदाता, निवेशक श्रम संगठन, विश्लेषक तथा अन्य। विश्लेषण की प्रकृति, उपयोगकर्ता अर्थात, विश्लेषक के उद्देश्य पर आधारित होती है जो भिन्न-भिन्न हो सकती है। एक विश्लेषक द्वारा प्राय: प्रयुक्त की जानेवाली तकनीक आवश्यक नहीं है कि दूसरे विश्लेषक के उद्देश्य को पूरा करें, क्योंकि विश्लेषण की रूचि में भिन्नता होती है। वित्तीय विश्लेषण विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए निम्न प्रकार से उपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण होता है–

(i) *वित्त प्रबंधक*– इसमें वित्तीय विश्लेषण का केन्द्र बिन्दु कंपनी के प्रबंधकीय निष्पादन, निगम सक्षमता, वित्तीय सुदृढ़ता तथा कमजोरियों और कंपनी के लिए सार्थक लेनदारों से संबंधित तथ्यों एवं संबंधों पर होता है। एक वित्त प्रबंधक को निश्चित रूप से विश्लेषण के विभिन्न साधनों से सुसज्जित होना चाहिए ताकि फर्म के लिए उचित तथा निष्पक्ष निर्णय लिए जा सकें। विश्लेषण के साधन लेखांकन आँकड़ों के अध्ययन में सहायता करते हैं ताकि संचालन नीतियों की सत्यता, व्यवसाय का निवेश मूल्य, ऋण दरें तथा संचालन की सक्षमता की जाँच का निर्धारण हो सके। ये तकनीकें वित्तीय नियंत्रण के क्षेत्रों तथा फर्म के लिए आंशिक या पूर्णत: वास्तविक वित्तीय संचालन की निरंतर समीक्षा में सक्षम बनाने हेतु समान रूप से महत्त्वपूर्ण होती है। इसके साथ ही प्रमुख विचलनों के कारणों को विश्लेषित करने में सहायक होता है जिसके परिणामस्वरूप जब कभी संकेत मिलते हैं तो सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है।

(ii) *उच्चतर प्रबंधन* : वित्तीय विश्लेषणों का महत्त्व केवल वित्त प्रबंधकों तक ही सीमित नहीं है। इसके महत्त्व का परिक्षेत्र पर्याप्त व्यापक है जिसके अंतर्गत सामान्यत: उच्च प्रबंधन तथा विशेष रूप से उच्च प्रबंधकर्मी शामिल होते हैं। फर्म का प्रबंधन वित्तीय विश्लेषण के प्रत्येक पहलू में रूचि दिखा सकता है। यह कुल मिलाकर उनकी ही जिम्मेदारी होती है कि वे देखें कि फर्म के संसाधनों को अधिकतम सक्षमता के साथ इस्तेमाल किया जाए ताकि फर्म की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ रहे। वित्तीय विश्लेषण प्रबंधन की सफलता को मापने में सहायता करते हैं। दूसरे शब्दों में, कंपनी के संचालन, वैयक्तिक निष्पादन मूल्यांकन तथा अंतरिम नियंत्रण की व्यवस्था के आँकलन में सहायता करते हैं।

© NCERT not to be republished

(iii) *व्यापारिक लेनदार*- एक लेनदार, वित्तीय विवरणों के विश्लेषण द्वारा न केवल कंपनी की क्षमता को आँकलित करता है, बल्कि एक समय विशेष पर उसकी स्थिति, वित्तीय देयताओं को पूरा करने की क्षमता के साथ-साथ सातत्य रूप से वित्तीय देयताओं को पूरा करने की संभावना को भी देखता है। व्यापारिक लेनदार एक फर्म की क्षमता में विशेष रूप से रूचि रखते हैं जो एक बहुत छोटी सी अवधि में उनके दावे को पूरा करने की क्षमता रखती है। इस प्रकार से, उनका विश्लेषण फर्म की द्रवता स्थिति के मूल्यांकन को सुनिश्चित करता है।

(iv) *ऋणदाता*- दीर्घकालिक ऋण या उधार के पूर्तिकार, फर्म के दीर्घकालिक ऋण शोधन क्षमता एवं उत्तरजीविता से चिंतित होते हैं। यह समयोपरि फर्म की लाभप्रदता, ब्याज तथा मूलपूँजी को चुकाने के लिए रोकड़ पैदा करने की क्षमता तथा विभिन्न निधियों का स्रोत का विश्लेषण करते हैं। दीर्घकालिक लेनदार ऐतिहासिक वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करते हैं, ताकि वे अपने भविष्य की ऋण शोधन क्षमता एवं लाभप्रदता के बारे में विश्लेषण कर सकें।

(v) *निवेशक*– निवेशक, जोकि फर्म के अंशों में अपना धन निवेश करते हैं, फर्म के अर्जन के संदर्भ में रूचि रखते हैं। इस तरह से, वे फर्म की वर्तमान एवं भावी लाभप्रदता के बारे में विश्लेषण करते हैं। इसके साथ ही फर्म के वित्तीय ढांचे में रूचि रखते है ताकि वे फर्म के अर्जन एवं जोखिमों को प्रभावित करने वाली सीमाओं के बारे में जान सकें। अंश धारक या निवेशक प्रबंधन की सक्षमता का मूल्यांकन करते हैं और यह निर्धारित करते हैं कि बदलाव की जरूरत है या नहीं। हांलांकि कुछ बड़ी कपनियों में, अंश धारकों की रूचि, इस बारे में सीमित होती है कि वे अंश खरीदे, बेचे या उन्हें धारित रखें अथवा नहीं।

(vi) *श्रम संगठन*– श्रम संगठन वित्तीय विवरणों का विश्लेषण यह जानने के लिए करते है कि क्या कंपनी निवेशित पूँजी पर उचित दर दे रही है या नहीं, वे वर्तमान में मजदूरी में बढ़ोत्तरी वहन कर सकते हैं या नहीं या फिर उत्पादकता बढ़ाकर तथा कीमत ऊँची करके बढ़ी हुई मजदूरी को समाहित कर सकते या नहीं।

(vii) *अन्य*– अर्थशास्त्री तथा अनुसंधानकर्ता वित्तीय विवरणों का विश्लेषण वर्तमान व्यवसाय तथा आर्थिक स्थितियों के बारे में अध्ययन करने के लिए करते हैं। सरकारी संस्थाओं को मूल्य नियमन, दर निर्धारण तथा अन्य ऐसे ही उद्देश्यों के लिए विश्लेषण की आवश्यकता होती है।

4.3 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का उद्देश्य

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण महत्त्वपूर्ण तथ्यों तथा प्रबंधकीय निष्पादनों एवं फर्म की सक्षमता से सम्बद्ध संबंधों को प्रकट करते है। व्यापक तौर पर विश्लेषण के उद्देश्यों को वित्तीय विवरणों में समाहित फर्म की सुदृढ़ता एवं कमजोरियों की दृष्टि से सूचनाओं के जानने में तथा फर्म के भविष्य की संभावनाओं के पूर्वानुमान को समझने में निहित है और इसी कारण वित्तीय विश्लेषण फर्म के संचालन से संबंधित विभिन्न निणर्यों को लेने के योग्य बनाते हैं। सामान्यत: वित्तीय विश्लेषणों को निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाया जाता है:

© NCERT not to be republished

- कुल मिलाकर फर्म की वर्तमान लाभप्रदता एवं संचालन सक्षमता के साथ इसके विभिन्न विभागों को मूल्यांकित किया जाता है इस तरह से फर्म की वित्तीय स्थिति को निर्णीत करता है।
- फर्म की वित्तीय स्थितियों के विभिन्न संघटकों के सापेक्षिक महत्त्व को पता करने के लिए।
- फर्म की लाभप्रदता/ वित्तीय स्थिति में बदलाव के कारणों को समझने व जानने के लिए।
- फर्म द्वारा मूलधन एवं ब्याज को चुकता करने, ऋणों के लिए उपलब्ध प्रत्याभूतों एवं ऋणों की परिशोधन के लिए व्यवस्था को निर्णीत करने के लिए तथा फर्म की अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक द्रवता की स्थिति के मूल्यांकन के लिए।

विभिन्न फर्मों के वित्तीय विवरणों के विश्लेषण द्वारा एक अर्थशास्त्री चालू वित्तीय नीतियों में केंद्रित आर्थिक सामथर्य और कमियों की सीमा को माप सकता है। वित्तीय विवरणों के विश्लेषण बहुत सारी सरकारी कार्यवाहियों की संबद्धताओं जैसे लाइसेंसिंग, नियंत्रण, मूल्य अंकन, व्यापारिक लाभ की सीमा लाभांश स्थिरण, कर छूट तथा अन्य रियायतें आदि के लिए आधार होते हैं।

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण अंशधारकों को भी मदद पहुँचाते हैं, तथा अन्य हेतु प्रबंधन की निष्पादन को निर्णीत करने में सहायक होते हैं।

4.4 वित्तीय विश्लेषण के साधन

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सर्वाधिक ज्ञान तकनीकें ये हैं–

(i) *तुलनात्मक विवरण विश्लेषण*: यह वे विवरण है जो दो अथवा अधिक समयावधियों में एक फर्म की लाभप्रदता एवं वित्तीय अवस्था को दर्शाते हैं जिससे कि दो या अधिक समयावधियों में फर्म की स्थिति का पता चलता है। यह समान्यत: तुलनात्मक रूप से तुलनपत्र और आय विवरण नामक दो महत्त्वपूर्ण वित्तीय विवरणों पर लागू होता है। वित्तीय आंकड़े केवल तभी तुलनात्मक होते हैं जब समान लेखांकन सिद्धांत का प्रयोग इनके निर्माण में किया जाता है। यदि ऐसा नहीं है तो लेखांकन सिद्धांतों से व्यतिक्रम को पादटिप्पणी के रूप में दर्शाया जाना चाहिये। तुलनात्मक आंकड़े वित्तीय स्थिति और प्रचालन परिणामों की प्रवृत्ति और दिशा को इंगित करते हैं।

(ii) *समरूप/सामान्य आकार विवरण विश्लेषण:* यह विवरण कुछ सामान्य मदों के साथ एक वित्तीय विवरण के विभिन्न मदों के बीच संबंध का संकेत देते हैं जिसमें सामान्य मद के प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में व्यक्त करता है। इस प्रकार से परिकलित प्रतिशत को अन्य फर्मों के अनुकूल प्रतिशत के साथ आसानी से समझा या तुलना की जा सकती है। जैसा कि ये संख्याएं सामान्य आधार अर्थात प्रतिशत से लाई जाती है। इस प्रकार के विवरण एक विश्लेषक को एक ही उद्योग की भिन्न आकार की दो कंपनियों की संचालन एवं वित्तीय विशिष्टताओं की तुलना करने की अनुमति देते हैं। सामान्य आकार के विवरण फर्म के विभिन्न वर्षों के बीच आंतरिक तुलना और साथ ही साथ उसी वर्ष या अनेक वर्षों के लिए अंतर फर्म की तुलना, दोनों ही, के लिए उपयोगी होते हैं। इन विश्लेषणों को 'अनुलंब विश्लेषणों' के नाम से भी जाना जाता है।

© NCERT not to be republished

(iii) *प्रवृत्ति विश्लेषण:* यह कई वर्षों की एक श्रृंखला के अनेकों वित्तीय विवरणों के अध्ययन की एक तकनीक है। एक व्यावसायिक उद्योग/उद्यम के पिछले वर्षों के आँकड़ों का उपयोग करते हुए, प्रवृत्ति का विश्लेषण संकलित आँकड़ों में एक अवधि के दौरान आए बदलावों का अवलोकन करके किया जा सकता है। प्रवृत्ति प्रतिशत एक प्रतिशत संबंध है जिसमें भिन्न वर्षों को प्रत्येक मद आधार वर्ष के उसी समान मद को वहन करता है। प्रवृत्ति विश्लेषण इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण होता है, अतः यह व्यवसाय की प्रकृति के आधारभूत बदलाव के बिंदु को उभार सकता है। एक विशिष्ट अनुपात में एक प्रवृत्ति को देखकर, कोई व्यक्ति यह जान सकता है कि अनुपात गिर रहा है या बढ़ रहा है या लगातार सापेक्षिक तौर पर स्थिर है। इस अवलोकन से, समस्या का पता लगाया जा सकता है या अच्छे प्रबंधन के संकेत देखे जा सकते हैं।

(iv) *अनुपात विश्लेषण:* यह महत्त्वपूर्ण संबंधों का वर्णन करता है जोकि तुलन पत्र में, लाभ व हानि खाते में, बजट नियंत्रण तंत्र या लेखांकन संगठन के किसी अन्य भाग में दर्शाए गए आँकड़ों के बीच विद्यमान होते हैं। वित्तीय विश्लेषण की तकनीक के रूप में लेखांकन अनुपात आय एवं तुलन पत्र के व्यष्टि मदों के बीच तुलनात्मक महत्त्व को मापते हैं। यह भी संभव है कि अनुपात विश्लेषण की तकनीक से एक उद्यम की लाभप्रदता ऋण शोधन क्षमता तथा सक्षमता को मूल्यांकित किया जा सकता है।

(v) *रोकड़ प्रवाह विश्लेषण:* यह किसी संस्थान के रोकड़ के वास्तविक अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह को दर्शाता है। एक व्यवसाय में आवक रोकड़ के बहाव को रोकड़ अंतर्वाह तथा फर्म से बाहर जाने वाली रोकड़ के बाहिर्वाह रोकड़ प्रवाह कहते हैं। रोकड़ के अंतर्वाह एक बाहिर्वाह के बीच अंतर यह है कि निवल रोकड़ प्रवाह अधिशेष है रोकड़ प्रवाह विवरण यह दर्शाते हुए इस प्रकार से तैयार किया जाता है जिसमें प्राप्त रोकड़ एक लेखांकन वर्ष के दौरान उपयोग की जाती है। इसमें प्रत्येक लेनदेन सम्मिलित होता है। यह वह विवरण है जिसमें रोकड़ प्राप्ति के स्रोतों को दर्शाता जाता है और इसके साथ ही वह उद्देश्य भी जिसमें रोकड़ भुगतान किया गया है। अतः यह एक उद्यम की रोकड़ स्थिति के बदलावों के लिए दो तुलन पत्र की तिथियों के बीच (रोकड़ स्थिति) के कारणों के संक्षेपीकृत करता है।

इस अध्याय में हम प्रथम तीन तकनीकों का अध्ययन करेंगे क्रमशः तुलनात्मक विवरण, समरूप आकार विवरण और प्रवृत्ति विश्लेषण। अनुपात विश्लेषण और रोकड़ प्रवाह विवरण को विस्तारपूर्वक अध्याय 5 व 6 में बताया गया है।

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिये 1

उपयुक्त शब्दों के साथ रिक्त स्थानों को भरें–

1. विश्लेषण का साधारण तात्पर्य .... आँकड़े हैं।
2. प्रतिपादन का तात्पर्य .... आँकड़े हैं।
3. तुलनात्मक विश्लेषण को .... विश्लेषण के नाम से भी जानते हैं।
4. सामान्य आकार के विश्लेषण को .... विश्लेषण के नाम से भी जानते हैं।
5. एक संस्थान/कारोबार में धन की आवक एवं जावक की वास्तविक चाल को .... विश्लेषण भी कहते हैं।

4.5 तुलनात्मक विवरण

जैसा कि पहले बताया गया है, यह विवरण लाभ व हानि खाता और तुलन पत्र के निर्माण में वर्तमान और गत वर्ष सहित वर्ष के दौरान हुए परिवर्तन के आकड़ों को अलग स्तंभ में परिशुद्ध निरपेक्ष और सापेक्ष आधार पर प्रस्तुत करता है। परिणामस्वरूप इस विवरण के माध्यम से भिन्न तिथियों पर खाता शेष और विभिन्न समयावधि पर भिन्न भिन्न प्रचालन गतिविधियों की गणना ही केवल संभव नहीं है बल्कि इन तिथियों के मध्य अभिष्ट अथवा अधोवृद्धि की सीमा का मापन भी संभव हैं, तुलनात्मक विवरणों में दिये गये आंकड़ों का प्रयोग परिवर्तन की दिशा की पहचान करता है और एक संस्था के निष्पादन सूचकों की प्रवृत्ति को भी इंगित करता है।

तुलनात्मक विवरणों को तैयार करने के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुकरण किया जा सकता है:

चरण 1: परिशुद्ध आँकड़ों/संख्याओं को दो समय बिन्दुओं पर रूपये में सूचीबद्ध करना (जैसा कि उदाहरण 1 के स्तंभ 2 तथा 3 में दिखाया गया है।)

चरण 2: परिशुद्ध आँकड़ों में, प्रथम वर्ष (स्तंभ 2) से द्वितीय वर्ष (स्तंभ 3) को घटाकर, बदलाव का पता करना तथा अभिवृद्धि को (+) से तथा अधोवृद्धि (कमी) को (–) से संकेतित करना तथा स्तंभ 4 में भरना।

चरण 3: प्रतिशत में आए बदलाव को परिकलित करना और जो परिणाम मिले, उसे पाँचवे स्तंभ में भरना या चढ़ाना है।

$$\frac{\text{द्वितीय वर्ष के (स्तंभ 3) परिशुद्ध आँकड़ें/संख्याएं}}{\text{प्रथम वर्ष के (स्तभं 2) परिशुद्ध आँकड़े/ संख्याएं}} \times 100 - 100$$

विवरण	*प्रथम वर्ष*	*द्वितीय वर्ष*	*परिशुद्ध अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–)*	*प्रतिशत अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–)*
स्तंभ 1	2	3	4	5
	रु.	**रु.**	**रु.**	**%**

चित्र 4.1

© NCERT not to be republished

उदाहरण 1

बी सी आर कं. लिमिटेड के निम्नलिखित आय विवरण को तुलनात्मक आय विवरण में परिवर्तित कीजिए और 2004 की स्थिति की तुलना में 2005 के बदलावों की व्याख्या कीजिए।

विवरण	*2004* (रु.)	*2005* (रु.)
सकल विक्रय	3,06,600	36,720
घटाया: विक्रय वापसी	600	700
निवल विक्रय	30,000	36,020
घटाया: बेचे गये माल की लागत	18,200	20,250
सकल लाभ	**11,800**	**15,770**
घटाया: संचालन व्यय		
प्रशासकीय व्यय	3,000	3,400
विक्रय व्यय	6,000	6,600
कुल प्रचालन व्यय	**9,000**	**10,000**
प्रचालन से लाभ	2,800	5,770
जोड़ा: अप्रचालन व्यय	300	400
	3,100	**6,170**
घटाया: अप्रचालन व्यय	400	600
करों से पहले निवल लाभ	2,700	5,570
घटाया: कर @ 50%	1,350	2,785
करों के पश्चात निवल लाभ	**1,350**	**2,785**

© NCERT not to be republished

हल

31 मार्च, 2004 और 31 मार्च, 2005 की अवधि के लिए तुलनात्मक आय विवरण

विवरण	*2004*	*2005*	*परिशुद्ध अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–)*	*प्रतिशत परिवर्तित अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–)*
स्तंभ 1	2	3	4	5
	रु.	रु.	रु.	%
सकल लाभ	30,600	36,720	**+6,120**	**+20.00**
घटाया: विक्रय वापसी	(600)	(700)	+100	+16.67
निवल विक्रय	**30,000**	**36,020**	**+6,020**	+20.07
घटाया: बेचे गये माल की लागत	(18,200)	(20,250)	+2,050	+11.26
सकल लाभ (अ)	**11,800**	**15,770**	**+3,970**	**+33.64**
घटाया: प्रचालन व्यय (न)				
प्रशासकीय व्यय	3,000	3,400	+400	+13.33
विक्रय व्यय	6,000	6,600	+600	+10.00
	(9,000)	**(10,000)**	**+1,000**	**+11.11**
प्रचालन लाभ (अ–ब)	**2,800**	**5,770**	**+2,970**	**+106.07**
जोड़ा: अप्रचालन आय	300	400	+100	+33.33
	3,100	**6,170**	**+3,070**	**+99.03**
घटाया: अप्रचालन व्यय	(400)	(600)	+200	+50.00
कर से पहले निवल लाभ	**2,700**	**5,570**	**+2,870**	**+106.30**
घटाया: कर @ 50%	(1,350)	(2,785)	+1,435	+106.30
कर के पश्चात निवल लाभ	**1,350**	**2,785**	**+1,435**	**+106.30**

प्रतिपादन

1. कंपनी ने बेचे गये माल की लागत पर लागत को कम करने के लिए प्रयास किए और महत्त्वपूर्ण रूप से लागत में कमी आई।
2. वर्ष 2004 की अपेक्षा वर्ष 2005 में तुलनात्मक रूप से लाभ में अभिवृद्धि हुई जैसा कि विक्रय में भी अभिवृद्धि हुई।
3. इसके साथ ही कंपनी ने संचालन लागत को भी घटाने पर ध्यान दिया अतैव संचालन लाभ के प्रतिशत में भी अभिवृद्धि हुई।

© NCERT not to be republished

इस प्रकार से वर्ष 2005 में कुल मिलाकर कंपनी के निष्पादन में सुधार हुआ और लागत की तुलना में बिक्री में अधिक वृद्धि हुई।

उदाहरण 2

मधु कं. लिमिटेड के निम्नलिखित आय विवरण से वर्ष 2005 से वर्ष 2006 के लिए तुलनात्मक आय विवरण तैयार करें तथा इसका प्रतिपादन भी करें।

विवरण	*2005* (रु.)	*2006* (रु.)
विक्रय	4,00,000	6,50,000
क्रय	2,00,000	2,50,000
प्रारंभिक स्टॉक	20,600	32,675
अंतिम स्टॉक	32,675	20,000
वेतन	16,010	18,000
किराया	5,100	6,000
डाक एवं लेखन सामग्री	3,200	4,100
विज्ञापन	2,600	4,600
विक्रय पर कमीशन	3,160	3,500
मूल्यहृास	200	500
परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि	4,000	2,000
निवेश की बिक्री पर लाभ	3,000	4,500

हल

वर्षान्त मार्च 31, 2005 और 2006 को मधु कं. लिमिटेड का तुलनात्मक आय विवरण

विवरण	*2005*	*2006*	*परिशुद्ध अभिवृद्धि (+)/ कमी (–)*	*प्रतिशत % अभिवृद्धि (+)/ कमी (–)*
	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)
विक्रय	4,00,000	6,50,000	+2,50,000	+62.50
घटाया: बेचे गये माल की लागत–				
प्रारंभिक स्टाक	26,600	32,675	+12,075	+58.62
जोड़ा: क्रय	2,00,000	2,50,000	+50,000	+25.00
घटाया: अंतिम स्टाक	(32,675)	(20,000)	(–) 12,675	(–) 38.79
	1,87,925	2,62,675	+74,750	+39.78
सकल लाभ (अ)	**2,12,075**	**3,87,325**	**+1,75,250**	**+82.64**

© NCERT not to be republished

घटाया: प्रचालन व्यय	(16,010)	(18,000)	+1,990	+12.43
वेतन	5,100	6,000	+900	+17.65
किराया	3,200	4,100	+900	+28.13
डाक व लेखन सामग्री	2,600	4,600	+2,000	+76.92
विज्ञापन				
विक्रय पर कमीशन	3,160	3,500	+340	+10.76
मूल्यह्रास	200	500	+300	+150.00
	30,270	3,50,625	+6,430	+21.24
प्रचालन लाभ (अ-ब)	**1,81,805**	**3,50,625**	**+1,68,820**	**+92.86**
जोड़ा– अप्रचालन व्यय लाभ–				
निवेश की बिक्री पर लाभ	(3,000)	(4,500)	+1,500	+50.00
	1,84,805	**3,55,125**		
घटाया: अप्रचालन व्यय				
परिसंपत्तियाँ की बिक्री पर हानि	4,000	2,000	(–) 2,000	(–) 50.00
निवल लाभ	**1,80,805**	**3,53,125**	**+1,72,320**	**+95.31**

प्रतिपादन

1. कंपनी का तुलनात्मक तुलन पत्र यह प्रकट करता है कि बिक्री में 62% अर्थात् 2,50,000 रु. की अभिवृद्धि हुई, जबकि बेचे गए माल की लागत में 39.78% अर्थात् केवल 74,750 रु. की अभिवृद्धि हुई। इससे यह भी प्रकट होता है कि कंपनी ने महत्त्वपूर्ण रूप से बिक्री माल की लागत में कमी पाई है। कंपनी के सकल लाभ में 82.64% अर्थात् 1,75,250 रु. अभिवृद्धि हुई।
2. कंपनी के खर्चों में केवल 6,430 रु. अर्थात् 21.24% की वृद्धि हुई और संचालन लाभ 1,68,820 रु. अर्थात् 92.86% की अभिवृद्धि हुई।
3. कंपनी के निवल लाभ में 1,72,320 रु. अर्थात् 95.31% की अभिवृद्धि हुई।
4. कुल मिलाकर कंपनी की वित्तीय स्थिति बहुत सुदृढ़ है।

उदाहरण 3

वर्ष 2005 व 2006 के अंत में जे लि. का तुलन पत्र निम्नानुसार है–

कंपनी के लिए तुलनात्मक तुलन पत्र बनाइए तथा संबंधित कारोबार की वित्तीय स्थिति का अध्ययन करें।

© NCERT not to be republished

तुलन पत्र रु. (,000)

दायित्व	2005 (रु.)	2006 (रु.)	परिसंपत्तियाँ	2005 (रु.)	2006 (रु.)
समता अंश	600	800	भूमि एवं भवन	370	270
आरक्षित एवं अधिशेष	330	222	संयत्र एवं मशीनरी	400	600
ऋण पत्र	200	300	फर्नीचर एवं फ्किसचर	20	25
दीर्घकालिक ऋण	150	200	अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ	25	30
देय विपत्र	50	45	हस्तस्थ एवं बैंकस्थ रोकड़	20	80
विविध लेनदार	100	120	प्राप्य विपत्र	150	90
अन्य वर्तमान दायित्व	5	10	विविध देनदार	200	250
			स्टॉक	250	350
			पूर्वदत्त व्यय	-	2
	1,435	**1,697**		**1,435**	**1,697**

हल

वर्षान्त 31 दिसम्बर, 2005 एवं 31 दिसम्बर, 2006 को
जे. लिमिटेड का तुलनात्मक तुलन पत्र

(रु. 000)

विवरण	*2005* (रु.)	*2006* (रु.)	*परिशुद्ध अभिवृद्धि/कमी* (रु.)	*परिवर्तित% अभिवृद्धि (+) (अधोवृद्धि) (–)*
परिसंपत्तियाँ				
चालू परिसंपत्तियाँ				
रोकड़ व बैंक	20	80	+60	+300
प्राप्य विपत्र	150	90	(–) 60	(–) 40
विविध देनदार	200	250	+50	+25
स्टॉक	250	350	+100	+40
पूर्वदत्त व्यय	–	2	+2	+200
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**620**	**772**	**+152**	**+24.52**
स्थिर परिसंपत्तियाँ				
भूमि व भवन	370	270	(–) 100	(–) 27.30
संयत्र व मशीनरी	400	600	+200	+50
फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	20	25	+5	+25
अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ	25	30	+5	+20
कुल स्थिर परिसंपत्तियाँ	815	925	+110	+13.5
कुल परिसंपत्तियाँ	**1,435**	**1,697**	**+262**	**+18.26**

© NCERT not to be republished

दायित्वः				
चालू दायित्व				
देय विपत्र	50	45	(–) 5	(–) 10
विविध लेनदार	100	120	+20	+20
अन्य चालू दायित्व	5	10	+5	+100
कुल चालू दायित्व	**155**	**175**	**+20**	**+12.90**
ऋण पत्र	200	300	+100	+50
दीर्घकालिक ऋण	150	200	+50	+33.33
कुल बाहय दियित्व	**505**	**675**	**+170**	**33.66**
समता अंश पूंजी	600	800	+200	**+33.33**
आरक्षित एवं अधिशेष	330	222	(–) 108	**(–) 32.73**
अंशधारी निधि	930	1022	92	+ 0.98
कुल दायित्व एवं पूँजी	**1,435**	**1,697**	**+ 262**	**+18.26**

नोटः- विश्लेषण उद्देश्य हेतु, तुलन पत्र का लम्बवत प्रस्तुतिकरण परिसंपत्तियों और देयताओं के मुख्य शीर्षकों में किया जा सकता है।

प्रतिपादन

1. कंपनी का तुलनात्मक तुलन पत्र यह दर्शाता है कि वर्ष 2006 के दौरान स्थिर परिसंपत्तियों में 1,10,000 रु. अर्थात् 13.5% की वृद्धि है जबकि दीर्घकालिक दायित्व अपेक्षाकृत 1,50,000 रु. तथा समता अंश पूँजी में 2,00,000 रु. की अभिवृद्धि हुई है। यह तथ्य दर्शाते हैं कि कंपनी ने दीर्घकालिक वित्तीय स्रोत के रूप में स्थिर परिसंपत्तियों के क्रय की नीति अपनाई है, इसलिए कार्यशील पूंजी नहीं बड़ रहा है।
2. कंपनी की चालू परिसंपत्तियों में 1,52,000 रु. अर्थात् 24.52% की अभिवृद्धि हुई है। चालू दायित्वों 20,000 रु. अर्थात् 12.9% की अभिवृद्धि हुई है। चालू दायित्वों में 20,000 रु. अर्थात् 12.9% की अभिवृद्धि हुई है। यह पुनः प्रभावित करता है कि कंपनी ने, यहाँ तक कि चालू परिसंपत्तियों दीर्घकालिक वित्त खंड किए हैं परिणामस्वरूप कंपनी की द्रवता स्थिति में सुधार हुआ है।
3. अंशधारी निधि में 92,000 रु. की अभिवृद्धि हुई।
4. कुल मिलाकर कंपनी की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ एवं संतोषजनक है।

© NCERT not to be republished

प्रदर्श 1

स्टर्लाईट आप्टिकल टैक्नोलोजिज लि.
वित्तीय विवरण 2001-2005

यूएस डालर (मिलियन में)	2005-06	2004-05	2003-04	2002-03	2001-02
आगम (सकल)	140.90	82.46	22.49	27.27	146.72
आगम (निवल)	123.61	72.72	20.02	25.05	130.28
ब्याज, कर एवं ह्रास से पूर्व आय	18.81	10.53	4.24	(6.93)	34.60
ब्याज़	3.64	2.32	2.81	5.14	3.13
ह्रास एवं कर से पूर्व लाभ	15.16	8.22	1.42	(12.07)	31.47
ह्रास	6.55	5.93	6.13	5.72	4.49
कर पूर्व लाभ	8.64	2.28	(4.12)	(17.79)	26.98
कर	(0.59)	0.01	(0.58)	-	5.98
लाभ के पश्चात कर	9.21	2.27	(4.12)	(17.79)	21.00
प्रति अंश (अर्जन)	0.16	0.04	(0.07)	(0.32)	0.38
पूँजी विनियोजित	127.71	93.15	96.42	126.36	119.47
रु. मिलियन में					
आवर्त	6,239.33	2,706.74	1,032.95	1,319.84	6,997.78
% वृद्धि	68.32	258.85	(21.74)	(81.14)	-
आवर्त (निवल)	5,473.72	3,268.76	919.23	1,212.46	6,213.49
% वृद्धि	67.46	255.60	(24.18)	(80.49)	-
% निवल विक्रय	15.22	14.48	21.16	(27.67)	26.55
ब्याज़	161.36	104.12	129.16	248.78	149.21
लाभ पूर्व ह्रास व कर	671.49	369.28	65.38	(584.25)	1,500.78
% निवल विक्रय	12.27	11.30	7.11	(48.19)	24.15
ह्रास	289.92	266.76	281.66	276.90	214.05
लाभ पूर्व कर	381.57	102.52	(216.28)	(861.15)	1,286.73
% निवल विक्रय	6.97	3.14	(23.53)	(71.03)	20.71
कर	(26.10)	0.32	(26.58)	-	284.98
लाभ के पश्चात कर	407.66	102.20	(189.43)	(861.15)	1,001.75
% निवल विक्रय	7.45	3.13	(20.61)	(71.03)	16.12
पूँजी विनियोजित	5,696.95	4,075.28	4,183.71	6,002.03	5,830.11
पूँजी विनियोजित पर प्रत्याय %	9.53	5.07	(2.08)	(10.20)	24.63
ब्याज व्याप्ति अनुपात	5.16	4.55	1.51	(1.35)	11.06
कार्यशील पूँजी अनुपात	2.91	1.64	2.06	2.86	2.24
ऋण इक्विटी अनुपात	0.72	0.56	0.67	0.95	0.47
प्रति अंश अर्जन	7.27	1.83	-3.38	-15.38	17.86

© NCERT not to be republished

स्वयं करें

प्रतिवर्ष 2002 व 2003 के लिए निम्नलिखित डे ड्रीमिंग कं. लिमिटेड का तुलन पत्र एवं आय विवरण है। आप तुलनात्मक विवरण तैयार करें–

आय विवरण

(रु. लाखों में)

विवरण	**2005**	**2006**
कुल विक्रय	900	1,050
बेचे गये माल की लागत	650	850
प्रशासकीय व्यय	40	40
विक्रय व्यय	20	20
निवल लाभ	190	140

तुलन पत्र

	2005	**2006**
समता अंश पूँजी	600	600
6% अधिमान अंश पूँजी	500	500
आरक्षित	400	445
ऋण पत्र	300	350
प्राप्य विपत्र	250	275
लेनदार	150	200
देय कर	150	200
कुल दायित्व	**2,350**	**2,570**
भूमि	300	300
भवन	500	470
संयत्र	400	470
फर्नीचर	300	340
स्टाक	400	500
रोकड़	450	490
कुल परिसंपत्तियाँ	**2,350**	**2,570**

© NCERT not to be republished

4.6 समरूप वित्तीय विवरण विश्लेषण

सपरूप वित्तीय विवरण को संघटक प्रतिशत विवरण के नाम से भी जानते हैं। यह एक कंपनी के वित्तीय परिणामों (लाभ व हानि खाता) एवं वित्तीय स्थिति (तुलन पत्र) की प्रवृत्ति एवं बदलाव जानने का साधन या उपकरण है। यहाँ पर विवरण में दिए गए प्रत्येक मद को कुल राशि के प्रतिशत के रूप में दर्शाते हैं जोकि उस प्रतिशत का ही एक हिस्सा होता है। इसी प्रकार समरूप आय विवरण में, खर्च मदों को निवल विक्रय के प्रतिशत के रूप में दर्शाया जाता है। यदि ऐसा विवरण लगातार जमाविधियों में हुए परिवर्तनों को दर्शाता है। (देखें एशियन पेन्टस (इंडिया) पाँच वर्षीय पुनरावलोकन)

उद्यमों की तुलना के लिए समरूप वित्तीय विश्लेषणों के असीमित उपयोग होते हैं, जोकि मूलतः आकार में भिन्न होते हैं परन्तु वित्तीय विवरण की संरचना में एक अंतरदृष्टि प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर अंतर-फर्म तुलना या संबंधित उद्योग वाली कंपनी की स्थिति की तुलना भी समरूप विवरण विश्लेषण की सहायता से संभव है।

सामान्य आकार विश्लेषण को तैयार करने के लिए निम्न प्रक्रम अपनाया जा सकता है।

1. परिशुद्ध संख्याओं (आँकड़ों) को दो समय बिन्दुओं जैसे कि वर्ष 1 और वर्ष 2 (प्रदर्श या उदाहरण 2 में स्तंभ 2 एवं 4), पर सूचीबद्ध करें।
2. एक सामान्य आधार (जैसे कि 100) को चुनें। उदाहरणार्थ लाभ व हानि खाते के मामले में बिक्री राजस्व के योग को आधार (100) के रूप में और तुलनपत्र के मामले में कुल परिसंपत्तियों अथवा कुल देनदारियों (=100) के रूप में आधार ले सकते हैं।
3. स्तंभ 2 एवं 4 की सभी मदों को कुल योग के प्रतिशत के रूप में बदलें। प्रदर्श/ उदाहरण 4.2 में, स्तंभ 3 और 4 इन प्रतिशतों को चिहित किया गया है।

सामान्य आकार विवरण

विवरण	वर्ष एक	प्रतिशत	वर्ष दो	प्रतिशत
स्तंभ 1	2	3	4	5

चित्र 4.2

उदाहरण 4

इस निम्नलिखित तुलन पत्र को समरूप या सामान्य आकार तुलन पत्र में बदलें और परिणामों का प्रतिपादन करें।

© NCERT not to be republished

31 दिसंबर, 2004 व 31 दिसंबर, 2005 पर तुलन पत्र

(राशि लाखों में)

दायित्व	*2004* रु.	*2005* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*2004* रु.	*2005* रु.
समता अंश पूँजी	1,000	1,200	देनदार	450	390
आरक्षित पूँजी	90	185	रोकड़	200	15
सामान्य आरक्षित	500	450	स्टाक	320	250
निक्षेप निधि	90	100	निवेश	300	250
ऋण व्यय	450	650	मूल्य ह्रास के बाद भवन	800	1,400
विविध लेनदार	200	150	भूमि	198	345
अन्य	15	20	फर्नीचर व फिटिंग्स	77	105
योग	**2,345**	**2,755**	**योग**	**2,345**	**2,755**

हल

वर्षान्त 2004 तथा 2005 को
समरूप तुलन पत्र

(लाखों में)

विवरण	*2004*		*2005*	
	(रु.)	*%*	*(रु.)*	*%*
अंश पूँजी				
समता अंश पूँजी	1,000	42.64	1,200	43.56
आरक्षित पूँजी	90	3.84	185	6.72
सामान्य आरक्षित	500	21.32	450	16.33
निक्षेप निधि	90	3.84	100	3.63
	1,680	**71.64**	**1,935**	**70.24**
अंश धारक निधि				
दीर्घकालिक ऋण (निवल):				
ऋण पत्र	450	19.19	650	23.59
चालू देनदारियाँ				
विविध लेनदार	200	8.53	150	5.44
अन्य लेनदार	15	0.64	20	0.73
	215	**9.17**	**170**	**6.17**
कुल दायित्व	**2,345**	**100.00**	**2,755**	**100.00**

© NCERT not to be republished

स्थिर परिसंपत्तियाँ				
भवन	800	34.12	1,400	50.82
भूमि	198	8.44	345	12.52
फर्नीचर एवं फिटिंग्स	77	3.28	105	3.81
कुल स्थिर परिसंपत्तियाँ	**1,075**	**45.84**	**1,850**	**67.15**
चालू परिसंपत्तियाँ				
देनदार	450	19.19	390	14.16
रोकड़	200	8.53	15	0.50
स्टाक	320	13.64	250	9.07
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**970**	**41.36**	**655**	**23.78**
निवेश	**300**	**12.8**	**250**	**9.07**
कुल परिसंपत्तियाँ	**2,345**	**100**	**2,755**	**100**

प्रतिपादन:

1. वर्ष 2005 में, चालू परिसंपत्तियाँ तथा चालू देनदारियाँ दोनों ही वर्ष 2004 की तुलना में घटी है परन्तु चालू देनदारियों की अपेक्षा चालू परिसंपत्तियों में कमी अधिक आई है। चालू देनदारियों में कमी मात्र 3% की है जबकि चालू परिसंपत्तियों में यह कमी 41.36% से 23.78% है। रोकड़ में यह कमी किसी अन्य चालू परिसंपत्ति की तुलना में अधिक है जिसके परिणामस्वरूप फर्म को दैनिक व्ययों के भुगतान में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।
2. वर्ष 2005 में, स्थिर परिसंपत्तियों एवं स्थिर देनदारियों, दोनों में ही अभिवृद्धि हुई है, लेकिन यह अभिवृद्धि स्थिर देनदारियों की अपेक्षा स्थिर परिसंपत्तियों में अधिक हुई है। फर्म ने स्थिर परिसंपत्तियों की प्राप्त हेतु निवेश को बेच दिया। फर्म की पूँजी एवं आरक्षितों में अभिवृद्धि की अपेक्षा स्थिर परिसंपत्तियों में अभिवृद्धि अधिक है।
3. फर्म ने भूमि व भवन खरीद कर विस्तार कार्यक्रम की जिम्मेदारी ली है। इसलिए आने वाले वर्षों में फर्म की उत्पादक क्षमता में अभिवृद्धि हो सकती है।

   कुल मिलाकर फर्म की आर्थिक स्थिति संतोषजनक है। इसे अपनी रोकड़ स्थिति बेहतर बनानी चाहिए।

उदाहरण 5

नीचे दिए गए वित्तीय विवरण से, एक सामान्य आकार विश्लेषण प्रपत्र तैयार करें।

© NCERT not to be republished

वर्ष 2004 व 2005 का
आय विवरण

विवरण	*2004* रु.	*2005* रु.
निवल विक्रय	5,00,000	4,95,000
बेचे गये माल की लागत	3,78,000	3,60,000
प्रचालन व्यय	62,500	60,000
मूल्यह्रास	22,000	22,000
निवेश से आय	70,000	89,000
आयकर	32,500	40,000

31 मार्च, 2004 व 2005 को तुलन पत्र

विवरण	*31 मार्च 2004 (रु.)*	*31 मार्च 2005 (रु.)*
दायित्व		
अंश पूँजी	2,00,000	2,90,000
आरक्षित	40,220	40,000
लाभ व हानि खाता	15,555	14,292
दीर्घकालिक ऋण	18,965	19,262
देनदार	5,125	5,125
देय विपत्र	2,300	2,195
देय खाते	13,000	15,000
बकाया व्यय	2,220	1,011
कुल दायित्व	**2,97,385**	**3,86,885**
परिसंपत्तियाँ		
भूमि एवं भवन	50,000	70,000
संयंत्र व मशीनरी	1,00,000	1,00,000
फर्नीचर	30,000	62,500
स्टाक	7,165	8,192
देनदार	40,000	52,000
प्राप्य विपत्र	50,000	49,020
रोकड़	–	20,000
पूर्वदत्त व्यय	20,220	25,173
	2,97,385	**3,86,885**

© NCERT not to be republished

हल

वर्षान्त 31 मार्च, 2004 एवं 31 मार्च, 2005
के लिए समरूप आय विवरण

विवरण	2004		2005	
	(रु.)	%	(रु.)	%
निवल विक्रय	5,00,000	100	4,95,000	100
घटाया: बेचे गये माल पर लागत	(3,78,000)	75.6	(3,60,000)	72.72
सकल लाभ	1,22,000	24.4	1,35,000	27.70
घटाया: प्रचालन व्यय	(62,500)	12.5	(60,000)	12.12
घटाया: मूल्य ह्रास	(22,000)	4.4	(22,000)	4.44
प्रचालन लाभ	37,500	11.9	53,000	15.15
जोड़ा: निवेश से आय	70,000	14	89,000	16.16
करों से पूर्व लाभ	1,07,500	21.5	1,42,000	28,68
घटाया: आयकर	(32,500)	6.5	(40,000)	8,08
करों के बाद निवल लाभ	75,000	15	1,40,000	28.28

वर्षान्त 31 मार्च, 2004 तथा 31 मार्च, 2005
पर समरूप तुलनपत्र

(रु. लाखों में)

विवरण	*2004*		*2005*	
	(रु.)	*%*	*(रु.)*	*%*
दायित्व				
अंश पूँजी	2,00,000	67.25	2,90,000	74.96
आरक्षित	40,220	13.52	40,000	10.34
लाभ व हानि खाता	15,555	5.23	14,292	3.69
दीर्घकालिक ऋण	18,965	6.38	19,262	4.98
लेनदार	5,125	1.72	5,125	1.32
देय विपत्र	2,300	0.77	2,195	0.57
लेनदार	13,000	4.34	15,000	3.88
बकाया व्यय	2,220	0.75	1,011	0.26
कुल दायित्व	**2,97,385**	**100.00**	**3,86,885**	**100.00**
परिसंपत्तियाँ				
भूमि व भवन	50,000	16.81	70,000	18.09
सयंत्र व मशीनरी	1,00,000	33.63	1,00,000	22.85

© NCERT not to be republished

फर्नीचर	30,000	10.09	62,500	16.15
स्टाक	7,165	2.41	8,192	2.12
देनदार	40,000	13.45	52,000	13.44
प्राप्य विपत्र	50,000	16.81	49,020	12.67
रोकड़	–	–	20,000	5.17
पूर्वदत्त व्यय	20,220	6.80	25,173	6.51
कुल परिसंपत्तियाँ	**2,97,385**	**100.00**	**3,86,885**	**100.00**

प्रतिपादन

1. बेचे गये माल की लागत की तुलना में दोनों वर्ष विक्रय का प्रतिशत बेहतर है और कंपनी ने लागत घटाकर लाभ को बढ़ाने की कोशिश की है।
2. पूर्व वर्ष की तुलना में इस वर्ष कंपनी की लाभप्रदता का प्रतिशत 13.28% बढ़ा है जो तुलनात्मक रूप से पहले वर्ष से बेहतर है।
3. कंपनी ने दीर्घकालिक ऋण के क्रम में अंश पूँजी को निर्गमित किए हैं। अतैव फर्नीचर तथा भूमि व भवन जैसी स्थिर परिसंपत्तियाँ खरीदी हैं।
4. इसके साथ ही कंपनी की द्रवता स्थिति में सुधार हुआ है जैसा कि चालू परिसंपत्तियों में अभिवृद्धि की है। मुख्यत: रोकड़ शेष 5.17% प्रतिशत बढ़ा है।

अत : कंपनी के संचालन बढ़िया है और वर्ष दर वर्ष सुधार हो रहे हैं।

उदाहरण 6

करन लिमिटेड के निम्नलिखित 31 मार्च, 2006 के आय विवरण से सामान्य आकार विवरण विश्लेषण तैयार कीजिए–

आय विवरण

विवरण	(रु. 000 में)
आय	
विक्रय	2,538
विविध आय	26
कुल आय	2,564
व्यय	
बेचे गये माल की लागत	1,422
प्रशासकीय व्यय	184
विक्रय व्यय	720
अन्य अप्रचालन व्यय	40
कुल व्यय	**2,366**
कर	68

© NCERT not to be republished

हल

वर्षान्त 30 जून, 2006 को
करन लि. का समरूप आय विवरण

विवरण	रु. 000	%
विक्रय	2,538	100
घटाया: बेचे गये माल की लागत	(1,422)	(56.03)
सकल लाभ (अ)	**1,116**	**43.97**
प्रचालन व्यय		
प्रशासकीय व्यय	184	7.25
विक्रय व्यय	720	28.37
कुल व्यय (ब)	**904**	**35.62**
प्रचालन लाभ (अ-ब)	212	8.35
जोड़ा: विविध आय	26	1.02
	238	**9.38**
घटाया: अप्रचालन व्यय	(40)	(7.38)
कर से पूर्व लाभ	**198**	
घटाया: कर	(68)	(2.68)
कर के पश्चात लाभ	130	5.12

प्रतिपादन:

कंपनी की लाभप्रदता विक्रय को प्रतिशत के रूप में कम है। इसका प्रमुख कारण उच्च प्रचालन व्यय ही है। अत: कंपनी की बेचे गये माल की लागत और प्रचालन व्यय में कमी करने के साधन ढूंडने होंगे।

प्रदर्श–2

एशियन पेंटस (इंडिया) लिमिटेड

लेखांकन वर्ष के परिणाम	2004-2005	2003-2004	2002-2003	2001-2002	2000-2001
आगम खाता–					
सकल विक्रय	22,388.04	20,259.05	18,066.06	15,984.05	14,695.01
निवल विक्रय व प्रचालन आय	19,415.01	16,966.05	15,302.05	13,613.05	12,333.05
वृद्धि दर (%)	14.43	10.87	12.41	10.38	13.18
सामग्री उपयोग	11,154.00	9,441.05	8,023.05	7,173.6	6,611.06
% निवल विक्रय	57.45	55.65	52.43	52.70	53.61
उपरिव्यय	5,323.03	4,829.06	4,587.07	4,176.08	3,699.04
% निवल विक्रय	27.42	28.47	29.98	30.68	29.99
प्रचालन लाभ	3,253.09	2,912.02	2,817.02	2,407.08	2,115.00
ब्याज प्रभार	27.05	52.07	83.05	145.08	221.02
मूल्यह्रास	476.01	480.01	485.02	447.09	334.09
कर और विशिष्ट मदों से पूर्व लाभ	2,750.03	2,379.04	2,248.05	1,814.01	1,558.09
% निवल विक्रय	14.17	14.02	14.69	13.33	12.64
विशिष्ट मदें	42.3	68.1	-	-	-

© NCERT not to be republished

कर से पूर्व और विशिष्ट मदों के पश्चात लाभ	2,708.00	2,311.03	2,248.50	1,814.10	1,558.90
% निवल विक्रय	13.95	13.62	14.69	13.33	12.64
कर के पश्चात लाभ	1,738.02	1,475.08	1,433.07	1,153.03	1,063.09
पूर्व अवधि मदें	(3.3)	2.1	(13.6)	(10.2)	(8.1)
मदों के पश्चात लाभ	1,734.08	1,477.09	1,420.01	1,143.01	1,055.08
औसत निवल संपत्ति पर प्रत्याय (RONW %)	31.43	29.32	32.01	27.82	27.47
पूँजी खाता					
अंश पूँजी	959.02	959.02	641.09	641.09	641.09
आरक्षित व अधिशेष	4,763.00	4,356.02	4,124.03	3,463.07	3,470.01
स्थगित कर दायित्व (निवल)	305.04	486.06	581.06	611.08	-
ऋण निधि	838.08	704.07	1,036.02	1,107.07	2,268.02
स्थिर परिसंपत्ति	3,195.01	3,444.03	3,662.04	3,895.00	3,804.06
निवेश	2,584.03	2,424.09	1,476.09	633.04	440.07
निवल चालू परिसंपत्ति	1,087.02	637.05	1,244.58	1,296.07	2,134.09
ऋण समता अनुपात	0.15:1	0.13:1	0.22:1	0.27:1	0.55:1
प्रति अंश आंकड़े (रु.)	18.5	#16.1	#14.8	17.8	16.5
लाभांश (%)	95.0	$85.0	110.0	90.0	70.0
पुस्तक मूल्य (रु.)	59.7	$55.4	74.3	64.0	64.1
अन्य सूचना					
कर्मचारियों की संख्या	3,627	3,430	3,400	3,258	3,197

(अ) RONW की गणना वर्ष 2004–2005 में स्थिर परिसंपत्तियों पर क्षति के प्रावधान के पश्चात की जायेगी।

(ब) EPS की गणना लेखा मानक 20 के अनुसार बोनस निर्णय के समायोजन और पनवासिया इंवेस्टमेन्टस लि. के विलय पर पूँजी में कमी पर की गई है।

(स) पूँजी की वृद्धि पर।

स्वयं करें

निम्नलिखित तुलन पत्र 31 मार्च, 2006 व 31 मार्च 2007 के वर्ष समापन पर हर्षा लिमिटेड का है।

दायित्व	*2005 (रु.)*	*2006 (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*2005 (रु.)*	*2006 (रु.)*
समता अंश पूँजी	1,00,000	1,65,000	स्थिर परिसंपत्तियाँ	1,20,000	1,75,000
अधिमान पूँजी	50,000	75,000	स्टॉक	20,000	25,000
आरक्षित	10,000	15,000	देनदार	50,000	62,500
लाभ व हानि खाता	7,500	10,000	प्राप्य विपत्र	10,000	30,000
बैंक अधिविकर्ष	25,000	25,000	पूर्वदत्त व्यय	5,000	6,000
लेनदार	20,000	25,000	बैंकस्थ रोकड़	20,000	26,500
कराधान प्रावधान	10,000	12,500	हस्तस्थ रोकड़	5,000	15,000
प्रस्तावित लाभांश	7,500	12,500			
	2,30,000	**3,40,000**		**2,30,000**	**3,40,000**

इसका समरूप तुलन पत्र तैयार करें तथा प्रतिपादन भी करें।

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिए–2

सही उत्तर का चुनाव करें:

1. एक व्यावसायिक उद्यम के वित्तीय विवरण में सम्मिलित होते हैं–
   (अ) तुलन पत्र
   (ब) लाभ व हानि खाता
   (स) रोकड़ प्रवाह विवरण
   (द) उपरोक्त सभी
2. वित्तीय विश्लेषण हेतु प्रयोग में आने वाले सामान्य साधन हैं–
   (अ) क्षैतिज विश्लेषण
   (ब) लम्बवत विश्लेषण
   (स) अनुपात विश्लेषण
   (द) उपरोक्त सभी
3. कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट को निर्गमित किया जाता है–
   (अ) संचालकों के लिए
   (ब) अंकेक्षकों के लिए
   (स) अंशधारकों के लिए
   (द) प्रबंध के लिए
4. तुलन पत्र उद्यम की वित्तीय स्थिति संबंधी सूचनाएँ प्रस्तुत करता है–
   (अ) दी गई विशेष अवधि पर
   (ब) विशेष अवधि के दौरान
   (स) विशेष अवधि के लिए
   (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
5. तुलनात्मक विवरणों को यह भी कहते हैं–
   (अ) क्रियाशील विश्लेषण
   (ब) क्षैतिज विश्लेषण
   (स) लम्बवत विश्लेषण
   (द) बाहय विश्लेषण

4.7 प्रवृत्ति विश्लेषण

सूचना की शृंखला की प्रवृत्तियों के परिकलन द्वारा वित्तीय विवरणों को विश्लेषित किया जा सकता है। प्रवृत्ति विश्लेषण अधोगामी या ऊर्ध्वगामी दिशा को निर्धारित करते है तथा इसमें प्रतिशत संबंध परिगणना सम्मिलित होती है जिसमें प्रत्येक मद उसी मद के आधार वर्ष को धारण करता है। यदि तुलनात्मक विश्लेषण का मामला है तो एक मद को स्वत: ही पूर्व वर्ष से तुलना करके यह जाना जाता है कि क्या उसमें अभिवृद्धि हुई है या कमी आई है या उसी जगह पर अभी भी स्थित है। यदि समरूप विश्लेषण का मामला है तो एक मद

© NCERT not to be republished

(मान लो, बेचे गये माल की लागत) को अवलोकित करके यह जाना जाता है कि क्या सामान्य आधार (विक्रय) में उसका अनुपात बढ़ा है या घटा है। लेकिन प्रवृत्ति विश्लेषण के मामले में हम उसी मद के आचरण को एक समयावधि के दौरान चुनना चाहते हैं। जैसे कि पिछले पाँच वर्षों के दौरान उदाहरण के लिए, प्रशासकीय व्यय, क्या वे अभिवृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाते हैं या फिर कमी की प्रवृत्ति या निरंतर एक अवधि के दौरान तुलनात्मक रूप से स्थिरता दर्शाते हैं। सामान्यत: प्रवृत्ति विश्लेषण एक युक्तिसंगत दीर्घ अवधि के लिए किया जाता है। कई कंपनियाँ इस वित्तीय आँकड़ों को 5–10 वर्ष की समयावधि के लिए वार्षिक प्रतिवेदनों में विभिन्न प्रारूपों में प्रस्तुत करते हैं।

4.7.1 प्रवृत्ति प्रतिशत परिकलन के लिए प्रक्रिया

एक वर्ष को आधार वर्ष के रूप में लिया जाता है। सामान्यत: प्रथम वर्ष या अंतिम वर्ष के आधार वर्ष के रूप में लेते हैं। प्रतिशत की प्रवृत्ति को इसी आधार वर्ष के सापेक्ष परिकलित किया जाता है। यदि आधार वर्ष से दूसरे वर्ष की संख्याएं/आँकड़ें कम होते हैं तो प्रवृत्ति प्रतिशत 100 से कम होगा और यदि आधार वर्ष से संख्या अधिक होती है तो यह संख्या 100 से अधिक होगी। प्रत्येक वर्ष की संख्याओं को आधार वर्ष की संख्याओं से विभाजित किया जाता है–

$$\text{प्रवृत्ति प्रतिशत} \quad \frac{\text{वर्तमान वर्ष मूल्य}}{\text{आधार वर्ष मूल्य}} \quad 100$$

प्रवृत्ति विश्लेषण के प्रतिपादन में सावधानीपूर्ण अध्ययन समाहित होता है। प्रतिशत में एक थोड़ी सी अभिवृद्धि या कमी भी भ्रमपूर्ण परिणाम प्रदान कर सकते हैं।

उदाहरण 7

एक्स लिमिटेड के लिए 2001 के आधार वर्ष मानते हुए निम्नलिखित बिक्री, स्टॉक तथा लाभ की संख्याओं (आकड़ों) से प्रवृत्ति प्रतिशत का परिकलन कीजिए और उन्हें प्रतिपादित भी कीजिए।

वर्ष	*बिक्री (रु.)*	*स्टाक (रु.)*	*लाभ (कर से पूर्व) (रु.)*
2001	1,881	709	321
2002	2,340	781	435
2003	2,655	816	458
2004	3,021	944	527
2005	3,768	1,154	627

© NCERT not to be republished

हल

प्रवृति प्रतिशत (आधार वर्ष 2001 =100)

(रु. लाखों में)

वर्ष	*बिक्री (रु.)*	*प्रवृत्ति %*	*स्टाक (रु.)*	*प्रवृत्ति %*	*लाभ (रु.)*	*प्रवृत्ति %*
2001	1,881	100	709	100	321	100
2002	2,340	124	781	110	435	136
2003	2,655	141	816	115	458	143
2004	3,021	161	944	133	527	164
2005	3,768	200	1,154	163	627	195

प्रतिपादन:

1. विक्रय लगातार वर्षों में 2005 तक अभिवृद्धि करती गई 2001 में 100 तुलना में वर्ष 2005 का प्रतिशत 200 है जो कि दो गुना है। विक्रय में अभिवृद्धि प्रर्याप्त संतोषजनक हैं।
2. 5 वर्षों की अवधि में स्टॉक में भी अभिवृद्धि हुई है। पहले के वर्षों की अपेक्षा वर्ष 2004 व 2005 में स्टाक की अधिक अभिवृद्धि हुई है।
3. लाभ में तत्वत: अभिवृद्धि हुई है। लाभ वस्तुत: बिक्री के हिसाब में बढ़ा है जो यह प्रकट करती है कि यहाँ पर बेचे गये माल की लागत पर उचित नियंत्रण रहा है। वर्ष 2003 की तुलना में वर्ष 2004 व 2005 में लाभ की अभिवृद्धि तुलनात्मक रूप से अधिक हुई है।

स्वयं करे

निम्नलिखित आँकड़े दीपक लिमिटेड के लाभ व हानि खाते से उपलब्ध हुए हैं:

विवरण	*2003 (रु.)*	*2004 (रु.)*	*2005 (रु.)*	*2006 (रु.)*
विक्रय	3,10,000	3,27,500	3,20,000	3,32,500
मजदूरी	1,07,500	1,07,500	1,15,000	1,20,000
विक्रय व्यय	27,250	29,000	29,750	27,750
सकल लाभ	90,000	95,000	77,500	80,000

आप को उपर्युक्त के प्रवृत्ति प्रतिशत तैयार करने की जरूरत है।

उदाहरण 8

31 दिसंबर, 2003 से 31 दिसंबर, 2006 की अवधि के निम्नलिखित आँकड़ें ए बी सी लिमिटेड के तुलन पत्र से परिसंपत्ति पक्ष से संबंधित हैं। कृपया प्रवृत्ति प्रतिशत परिकलित करें।

© NCERT not to be republished

(रु. लाख में)

विवरण	*2003*	*2004*	*2005*	*2006*
रोकड़	100	120	80	140
देनदार	200	250	325	400
स्टॉक	300	400	350	500
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	50	75	125	150
भूमि	400	500	500	500
भवन	800	1,000	1,200	1,500
संयंत्र	1,000	1,000	1,200	1,500

हल

प्रवृत्ति प्रतिशत

(रु. लाखों में)

	2003	प्रवृत्ति %	2004	प्रवृत्ति %	2005	प्रवृत्ति %	2006	प्रवृत्ति %
चालू परिसंपत्तियाँ								
रोकड़	100	100	120	120	80	80	140	140
देनदार	200	100	250	125	325	1,625	400	200
स्टॉक	300	100	400	133.33	350	116.67	500	166.67
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	50	100	75	150	125	250	150	300
	650	**100**	**845**	**130**	**880**	**135.88**	**1,190**	**183.08**
स्थिर परिसंपत्तियाँ								
भूमि	400	100	500	125	500	125	500	125
भवन	800	100	1,000	125	1,200	150	1,500	187.5
संयंत्र	1,000	100	1,000	100	1,200	120	1,500	150
	2,200	**100**	**2,500**	**113.64**	**2,900**	**131.82**	**3,500**	**15,900**
कुल परिसंपत्तियाँ	**2,850**	**100**	**3,345**	**117.36**	**3,780**	**132.63**	**4,690**	**164.56**

प्रतिपादनः

1. परिसंपत्तियाँ एक अवधि में प्रवृत्ति प्रतिशत में एक निरंतर अभिवृद्धि को दर्शाती है।
2. स्थिर परिसंपत्तियों की तुलना में चालू परिसंपत्तियों में काफी तीव्र अभिवृद्धि प्रदर्शित हो रही है।
3. विविध देनदारों, अन्य चालू परिसंपत्तियों तथा भवन आदि स्थिर परिसंपत्तियों में उच्चतर वृद्धि प्रकट होती है।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 9

निम्नलिखित आँकड़े 31 दिसंबर, 2003 से 31 दिसंबर, 2006 की अवधि के लिए एक्स लिमिटेड के तुलन पत्र के दायित्व पक्ष से संबंधित है। 2003 को आधार वर्ष मानते हुए प्रवृत्ति प्रतिशत को परिकलित कीजिए।

(रु. लाखों में)

दायित्व	2003	2004	2005	2006
समता अंश पूँजी	1,000	1,000	1,200	1,500
सामान्य आरक्षित	800	1,000	1,200	1,500
12% ऋण पत्र	400	500	500	500
बैंक अधिविकर्ष	300	400	550	500
देय विपत्र	100	120	80	140
विविध देनदार	300	400	500	600
बकाया दायित्व	50	75	125	150

हल

प्रवृत्ति प्रतिशत (रु. लाखों में)

दायित्व	2003	प्रवृत्ति %	2004	प्रवृत्ति %	2005	प्रवृत्ति %	2006	प्रवृत्ति %
अंश धारक फंड								
समता अंश पूँजी	1,000	100	1,000	100	1,200	120	1,500	150
सामान्य आरक्षित	800	100	1,000	125	1,200	150	1,500	1,875
	1,800	**100**	**2,000**	**111.11**	**2,400**	**133.33**	**3,000**	**166.67**
दीर्घकालिक ऋण								
ऋण पत्र	400	100	500	125	500	125	500	125
	400	**100**	**500**	**125**	**500**	**125**	**500**	**125**
चालू देनदारियाँ								
बैंक अधिविकर्ष	300	100	400	133.33	550	183.33	500	166.67
देय विपत्र	100	100	120	120	80	80	140	140
विविध लेनदार	300	100	400	133.33	500	166.67	600	200
बकाया दायित्व	500	100	75	150	125	250	150	30
	750	**100**	**995**	**132.67**	**12.55**	**167.33**	**1,390**	**185.33**
कुल दायित्व	**2,950**	**100**	**3,495**	**118.47**	**4,155**	**140.85**	**4,890**	**165.76**

© NCERT not to be republished

प्रतिपादन:

1. एक अवधि के बाद अंशधारक निधि में अभिवृद्धि हुई क्योंकि व्यवसाय में आरक्षित के रूप में लाभ को प्रतिधारित बनाए रखा गया। अंश पूँजी में भी अभिवृद्धि हुई, जो शायद नए अंश या बोनस अंश के निर्गमन के कारण हो सकता है।
2. चालू परिसंपत्तियों में अभिवृद्धि दीर्घकालिक दायित्व की अपेक्षा अधिक हुई है।

प्रदर्श–3

यूनिचेम लैबोरेट्रीस लिमिटेड
पाँच वर्षों का वित्तीय अवलोकन
लाभ व हानि खाता

वर्षान्त 31 मार्च	**2002**	**2003**	**2004**	**2005**	**2006**
प्रचालन से विक्रय और आय	3,010.60	3,250.10	3,817.96	4,245.61	4,777.06
अन्य आय	25.30	29.26	12.04	119.85	42.08
कुल आय	**3,035.90**	**3,279.36**	**3,884.00**	**4,365.46**	**4,819.14**
माल का उपयोग	815.78	858.27	1,037.06	1,045.53	1,183.14
माल का विक्रय	401.26	512.26	610.20	741.75	796.29
स्टॉक में वृद्धि (कमी)					
अर्धनिर्मित व निर्मित	(13.87)	(45.83)	(49.78)	(37.57)	(27.27)
अनुसंधान व विकास व्यय	53.30	66.60	68.23	85.13	100.63
भण्डार और पुर्जे	8.54	15.79	21.31	24.67	33.33
विद्युत और उर्जा	63.58	70.55	88.08	90.66	119.63
कर्मचारी व्यय	233.88	259.97	320.99	378.93	439.86
उत्पाद शुल्क	309.22	308.03	337.47	310.95	219.52
विक्रय व्यय	343.56	336.68	336.80	400.70	434.11
अन्य व्यय	340.10	388.37	473.86	581.87	567.50
कुल लागत	2,555.45	2,770.69	3,244.22	3,622.63	3,866.74
मूल्यह्रास और कर पूर्व लाभ (PBIDT)	**480.45**	**508.67**	**639.78**	**742.83**	**952.40**
ब्याज	44.94	48.78	31.23	23.07	22.74
PBDT	**435.51**	**459.89**	**608.55**	**719.76**	**929.67**
मूल्यह्रास	65.54	69.85	83.78	93.13	114.20
कर से पूर्व लाभ	**369.97**	**390.04**	**524.77**	**626.63**	**815.47**
विशिष्ट एवं पूर्व अवधि मदें	0.55	(0.27)	1.85	0.12	(133.48)
वर्तमान कर	41.50	83.46	127.57	141.50	81.00
अनुषंगी लाभ	-	-	-	-	19.00
चालू कर के पश्चात लाभ	327.92	306.85	395.35	485.01	848.95
स्थगित कर	**20.37**	**36.00**	**16.43**	**37.80**	**15.00**
कर के पश्चात लाभ	307.55	270.85	378.92	447.21	833.95
FOB मूल्य कर निर्यात	194.85	242.85	411.26	591.18	890.62
समता लाभांश	68.24	68.24	102.36	119.42	180.02
R & D पर खर्च – पूंजी	47.41	19.82	16.04	68.80	22.62
– आवर्ती	53.30	66.60	68.23	85.13	100.63
कुल R & D खर्च	**100.71**	**86.42**	**84.27**	**153.93**	**123.25**

© NCERT not to be republished

यूनिचेम लैबोरेट्रीस लिमिटेड
तुलन पत्र

मार्च 31 को	2002	2003	2004	2005	2006
निधि के स्रोत					
समता अंश पूँजी	85.30	85.30	170.60	170.60	180.02
आरक्षित एवं अधिशेष	**901.69**	**1,096.55**	**1,340.12**	**1,655.62**	**2,826.09**
निवल संपत्ति	**986.99**	**1,181.85**	**1,510.72**	**1,826.22**	**3,006.11**
सुरक्षित ऋण	186.76	211.80	228.83	258.31	104.67
असुरक्षित ऋण	191.06	337.49	248.56	190.55	178.16
कुल ऋण	**377.82**	**549.29**	**477.39**	**448.86**	**282.83**
कुल दायित्व	**1,364.80**	**1,731.14**	**1,988.11**	**2,275.08**	**3,288.94**
निधि का उपयोग					
सकल खंड	1,247.36	1,545.95	1,672.47	1,977.48	2,436.69
मूल्यह्रास	336.20	395.09	474.03	557.23	656.19
निवल खंड	911.16	1,150.86	1,198.44	1,420.25	1,780.50
पूँजी कार्य प्रगति	**85.62**	**23.84**	**72.33**	**365.82**	**100.48**
NB + CWP	**996.78**	**1,174.70**	**1,270.77**	**1,786.07**	**1,880.98**
निवेश	6.17	147.33	142.58	31.18	274.93
चालू परिसंपत्तियाँ					
माल सूची	286.89	379.62	472.57	540.80	597.46
देनदार	522.00	569.39	657.29	711.45	956.56
रोकड़ व बैंक शेष	19.79	14.45	26.78	18.95	436.15
ऋण व अग्रिम	104.71	165.95	240.43	189.91	219.40
कुल चालू दायित्व	**933.39**	**1,129.41**	**1,397.06**	**1,461.11**	**2,209.57**
चालू दायित्व					
लेनदार	322.33	428.12	459.88	534.47	522.45
अन्य चालू दायित्व	43.59	43.05	59.60	87.93	72.86
प्रावधान	70.72	78.22	115.48	155.74	241.09
कुल चालू दायित्व	**436.65**	**549.40**	**634.96**	**778.14**	**836.40**
स्थगित कर दायित्व	134.91	170.91	187.34	225.14	240.14
निवल चालू संपत्तियाँ	**361.85**	**409.11**	**574.77**	**457.83**	**1,133.03**
कुल परिसंपत्तियाँ	**1,364.80**	**1,731.14**	**1,988.11**	**2,275.08**	**3,288.94**

© NCERT not to be republished

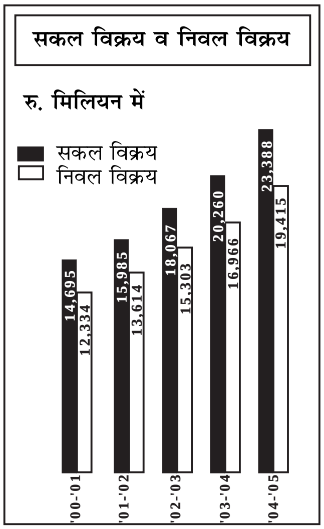

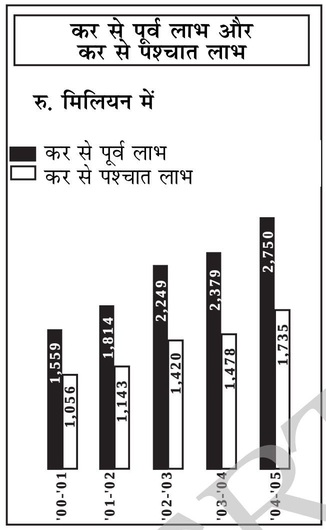

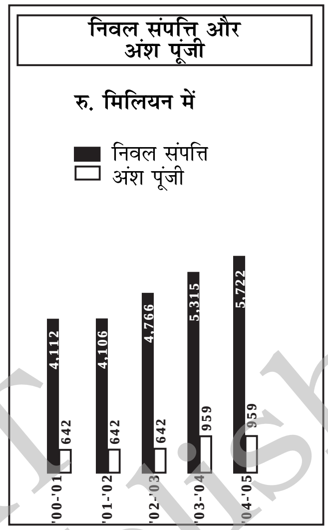

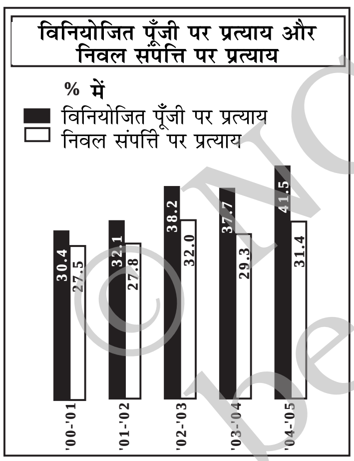

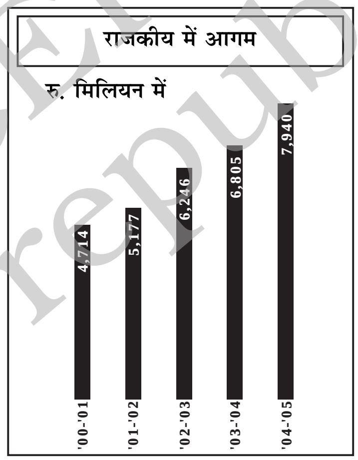

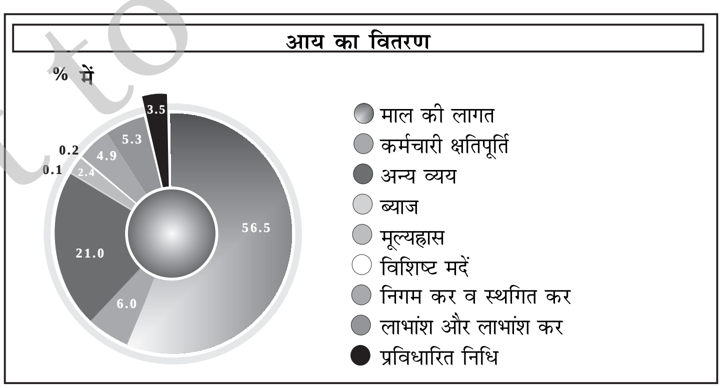

© NCERT not to be republished

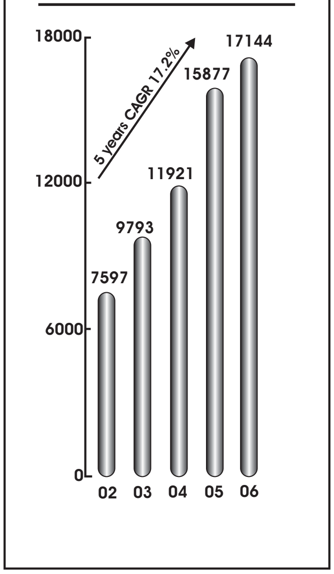

सकल विक्रय (रु. करोड़ में)

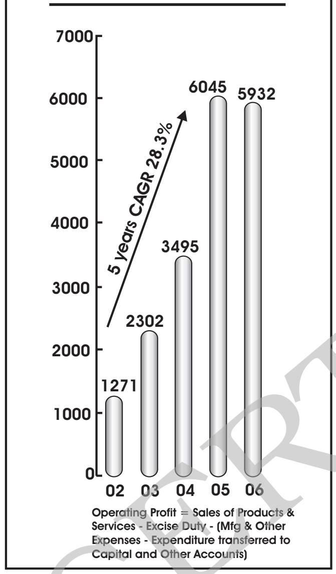

प्रचालन लाभ (रु करोड़ में)

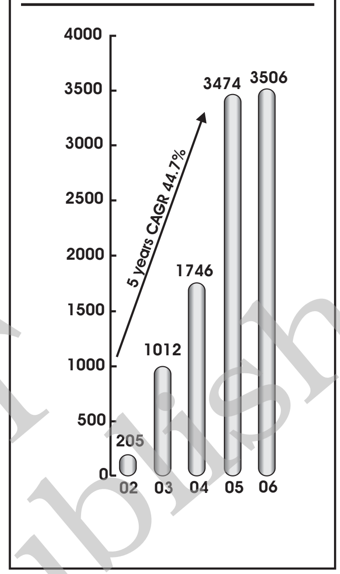

कर के पश्चात लाभ (रु करोड़ में)

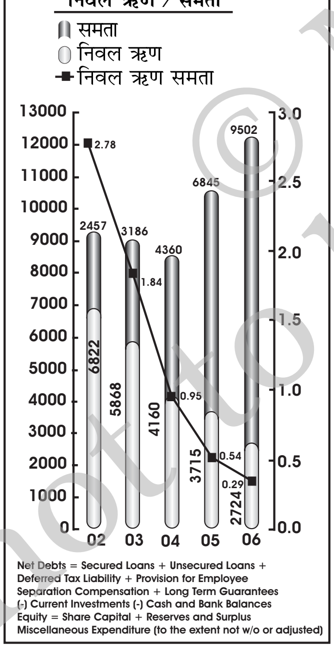

निवल ऋण / समता

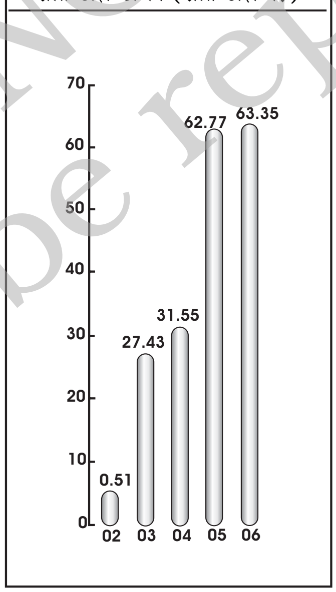

प्रति अंश अर्जन (प्रति अंश रु.)

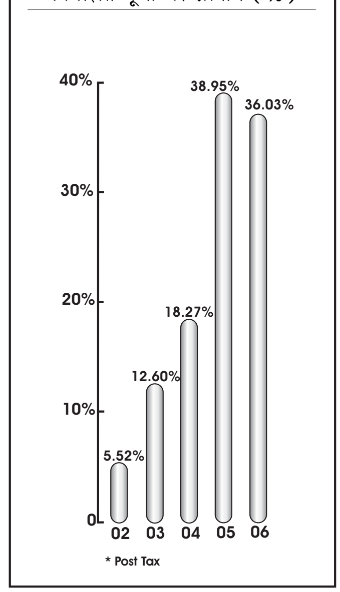

निवेशित पूँजी पर प्रत्याय (%)

© NCERT not to be republished

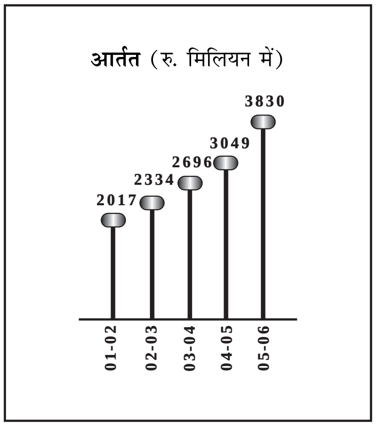

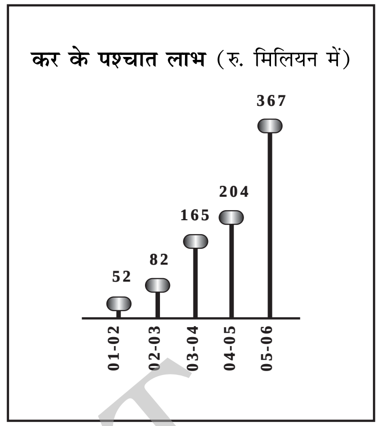

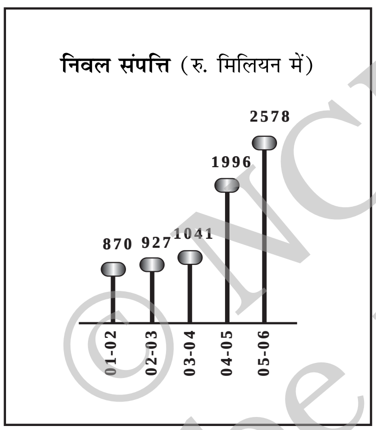

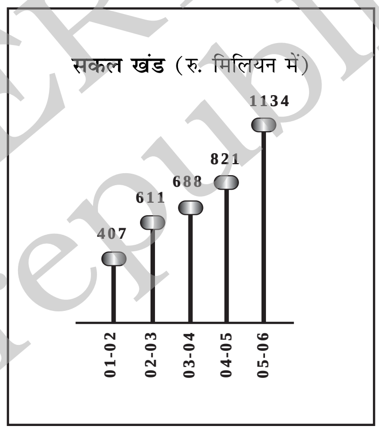

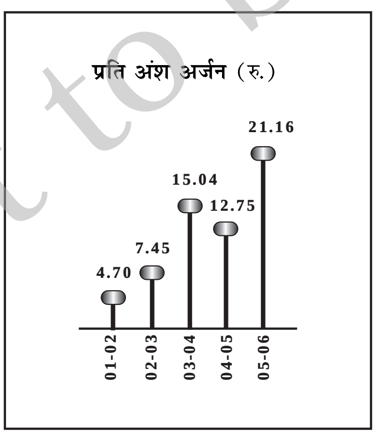

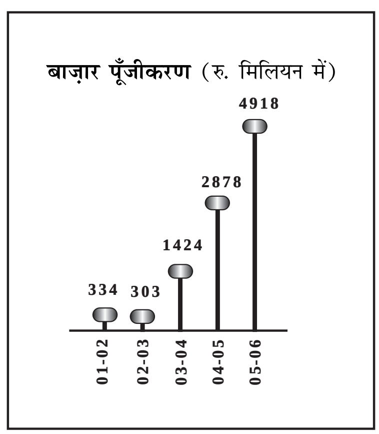

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिए-3

सत्य असत्य बताएँ–

1. व्यावसायिक उद्यम के वित्तीय विवरणों में कोष प्रवाह विवरण सम्मिलित है।
2. तुलनात्मक विवरण क्षैतिज विश्लेषण का एक रूप है।
3. समरूप विवरण और वित्तीय अनुपात लम्बवत विश्लेषण में प्रयोग में आने वाले दो साधन हैं।
4. अनुपात विशलेषण दो वित्तीय विवरणों में मध्य संबंध स्थापित करता है।
5. अनुपात विश्लेषण किसी उद्यम के वित्तीय विवरणों के विश्लेषण हेतु एक साधन है।
6. वित्तीय विश्लेषण केवल लेनदारों द्वारा प्रयोग में लाये जाते हैं।
7. लाभ व हानि खाता एक विशेष अवधि के लिए उद्यम के प्रचालन निष्पादन को दर्शाता है।
8. वित्तीय विश्लेषण विश्लेषक को उपयुक्त निर्णय लेने में सहायक है।
9. रोकड़ प्रवाह विवरण वित्तीय विवरण विश्लेषण का एक साधन है।
10. समरूप विवरण के प्रत्येक मद को समान आधार पर प्रतिशत में दर्शाता है।

4.8 वित्तीय विश्लेषणों की सीमाएँ

हालांकि, एक फर्म की वित्तीय सुदृढ़ता एवं कमजोरियों को निर्धारित करने के लिए वित्तीय विश्लेषण पर्याप्त सशक्त होते हैं, परन्तु ये विश्लेषण वित्तीय विवरणों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित होते हैं। इसी प्रकार से, वित्तीय विवरण विश्लेषण वित्तीय विवरणों की गंभीर सीमाओं के भी भुक्तभोगी होते हैं। अतैव, वित्तीय विश्लेषणों को निश्चित रूप से मूल्य स्तर में बदलावों, वित्तीय विवरणों की दृश्य सौंदर्यता, फर्म की लेखांकन नीति के बदलावों, लेखांकन अवधारणा तथा परम्पराओं एवं वैयक्तिक निर्णयों आदि के प्रभाव के बारे में सावधानी पूर्ण रहना चाहिए। वित्तीय विश्लेषणों की कुछ अन्य सीमाएँ ये भी हैं–

1. वित्तीय विश्लेषण मूल्य स्तरीय बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं।
2. वित्तीय विश्लेषण एक फर्म के खाते के लिए भ्रमात्मक भी हो सकते हैं अगर फर्म ने लेखांकन प्रक्रिया में बदलाव को अपना लिया है।
3. वित्तीय विश्लेषण अंतरिम रिपोर्ट की केवल अध्ययन है।
4. वित्तीय विश्लेषण में केवल आर्थिक पहलू पर ही ध्यान दिया जाता है। जबकि गैर–आर्थिक संघंटकों को उपेक्षित किया जाता है।
5. वित्तीय विश्लेषणों को फर्म की चल रही संकल्पनाओं के आधार पर तैयार किए जाते हैं जैसे कि यह बिलकुल वास्तविक वस्तु स्थिति को नहीं प्रस्तुत करते हैं।

© NCERT not to be republished

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1. वित्तीय विवरण
2. समरूप विवरण
3. तुलनात्मक विवरण
4. प्रवृति विश्लेषण
5. अनुपात विश्लेषण
6. रोकड़ प्रवाह विश्लेषण
7. अतंरा फर्म तुलना
8. अंर्तफर्म तुलना
9. क्षैतिज विश्लेषण
10. लम्बवत विश्लेषण

सारांश

वार्षिक रिपोर्ट के प्रमुख भाग

वार्षिक रिपोर्ट में मूल रूप से वित्तीय विवरण शामिल होते है, जैसे तुलन पत्र, लाभ व हानि खाता और रोकड़ प्रवाह विवरण। इसमें अवलोकन हेतु वर्ष के निष्पादन संबंधी प्रबंध तर्क भी सम्मिलित होते है, साथ ही यह उद्यम के संभावित भविष्य पर भी प्रकाश डालता है।

वित्तीय विश्लेषण के साधन

तुलनात्मक विवरण समरूप विवरण, प्रवृत्ति विवरण, अनुपात विश्लेषण और रोकड़ प्रवाह विश्लेषण सम्मिलित हैं।

तुलनात्मक विवरण

तुलनात्मक विवरण में वित्तीय विवरणों की सभी मदों को सापेक्षित और प्रतिशत में एक विशेष जमावधि के लिए एक फर्म या दो फमों में मध्य तुलना हेतु दर्शाता है।

समरूप विवरण

वित्तीय विवरणों के सभी मदों को समरूप विवरण एक समान आधार पर प्रतिशत के रूप में दर्शाता है, जैसे कि लाभ व हानि खाते पर विक्रय और तुलन पत्र पर कुल परिसंपत्तियाँ।

अनुपात विश्लेषण

अनुपात विश्लेषण वित्तीय विश्लेषण का एक ऐसा साधन है किसी भी व्यावसायिक उद्यम के निष्पादन के सुदृढ़ता और कर्मियों के निर्धारण के लिए वित्तीय अनुपातों की गणना और व्याख्या की विधियाँ शामिल हैं।

अभ्यास के लिए प्रश्न

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीकों का संक्षेप में वर्णन करें।
2. वित्तीय आँकड़ों के अनुलंब एवं क्षैतिज विश्लेषण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. विश्लेषण एवं प्रतिपादन के तात्पर्य समझाइए?
4. वित्तीय विश्लेषण के महत्व का वर्णन कीजिए?
5. तुलनात्मक वित्तीय विवरण क्या है?
6. समरूप विवरण से आपका क्या तात्पर्य है।

© NCERT not to be republished

(ब) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. समरूप विश्लेषण से आपका क्या तात्पर्य है? आप उन्हें कैसे तैयार करते हैं?
2. विभिन्न प्रकार के वित्तीय विश्लेषणों का वर्णन कीजिए तथा वित्तीय विश्लेषणों की सीमाओं की चर्चा कीजिए?
3. एक कंपनी की वित्तीय निष्पादन की व्याख्या या प्रतिपादन में प्रवृत्ति प्रतिशत की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
4. तुलनात्मक विवरण का क्या महत्त्व है? तुलनात्मक आय विवरण का एक विशिष्ट संदर्भ देते हुए अपने उत्तर की व्याख्या करें तथा उसके तैयार करने के बारे में संक्षिप्त वर्णन करें?
5. वित्तीय विवरण के विश्लेषण एवं प्रतिपादन से आप क्या समझते हैं? उनके महत्व पर चर्चा करें।

संख्यात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित सूचनाएं नरसिंहम कंपनी लि. से है। वर्ष 2004 व 2005 के लिए एक तुलनात्मक आय विवरण तैयार करें:

विवरण	*2004 (रु.)*	*2005 (रु.)*
सकल विक्रय	7,25,000	8,15,000
घटाया: वापसी	25,000	15,000
निवल विक्रय	7,00,000	8,00,000
बेचे गये माल की लागत	5,95,000	6,15,000
सकल लाभ	1,05,000	1,85,000
अन्य व्यय		
विक्रय एवं वितरण व्यय	23,000	24,000
प्रशासकीय व्यय	12,700	12,500
कुल व्यय	35,700	36,500
प्रचालन आय	69,300	1,48,550
अन्य आय	1,200	8,050
	70,500	1,46,550
(*घटाया:*) अप्रचालन व्यय	(1,750)	(1,940)
निवल लाभ	**68,750**	**1,54,610**

© NCERT not to be republished

2. निम्नलिखित तुलन पत्र वर्ष समाप्ति 2004 व 2005 के लिए मोहन लिमिटेड का है।

(रु. लाखों में)

दायित्व	2004	2005	परिसपत्तियाँ	2004	2005
समता अंश पूँजी	400	600	भूमि व भवन	270	170
आरक्षित व अधिशेष	312	354	संयंत्र व मशीनरी	310	786
ऋण पत्र	50	100	फर्नीचर व फिक्सचर	9	18
दीर्घकालिक ऋण	150	255	अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ	20	30
देय विपत्र	255	117	ऋण एवं उधार	46	59
अन्य चालू दायित्व	7	10	रोकड़ व बैंक	118	10
			प्राप्य विपत्र	209	190
			माल सूची	160	130
			पूर्वदत्त व्यय	3	3
			अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	29	40
	1,174	**1,436**		**1,174**	**1,436**

तुलनात्मक तुलन पत्र तैयार करें तथा कंपनी की वित्तीय स्थिति का अध्ययन करें।

3. निम्नलिखित तुलन पत्र वर्ष की समाप्ति 2002 व 2003 के लिए देवी कं. लिमिटेड का हैं एक तुलनात्मक तुलन पत्र बनाए तथा व्यापार की वित्तीय स्थिति का अध्ययन करें।

दायित्व	2002 (रु.)	2003 (रु.)	परिसंपत्तियाँ	2002 (रु.)	2003 (रु.)
समता पूँजी	1,20,000	1,85,000	स्थिर परिसपत्तियाँ	1,40,000	1,95,000
अधिमान पूँजी	70,000	95,000	स्टाक	40,000	45,000
आरक्षित	30,000	35,000	देनदार	70,000	82,500
लाभ व हानि खाता	17,500	20,000	प्राप्य विपत्र	20,000	50,000
बैंक अधिविकर्ष	35,000	45,450	पूर्वदत्त व्यय	6,000	8,000
लेनदार	25,000	35,000	बैंकस्थ रोकड़	40,000	48,500
कराधान हेतु प्रावधान	15,000	22,500	हस्तस्थ रोकड़	5,000	29,000
प्रस्तावित लाभांश	8,500	20,050			
	3,21,000	**4,58,000**		**3,21,000**	**4,58,000**

© NCERT not to be republished

4. निम्न आय विवरण को सामान्य आकार विवरण में बदलिए तथा 2004 को ध्यान में रखते हुए 2005 के बदलावों का प्रतिपादन कीजिए–

विवरण	*2004* (रु.)	*2005* (रु.)
सकल विक्रय	30,600	36,720
घटाया: विक्रय वापसी	(600)	(700)
निवल विक्रय	30,000	36,020
घटाया: बेचे गये माल की लागत	(18,200)	(20,250)
सकल लाभ	11,800	15,770
***घटाया:* प्रचालन व्यय**		
प्रशासनिक व्यय	3,000	3,400
विक्रय व्यय	6,000	6,600
कुल व्यय	9,000	10,000
प्रचालन से आय	2,800	5,770
जोड़ा: अप्रचालन आय	300	400
कुल आय	3,100	6,170
घटाया: अप्रचालन व्यय	(400)	(600)
निवल लाभ	**2,700**	**5,570**

5. निम्नलिखित तुलन पत्र वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2003 एवं 2004 को रेड्डी लिमिटेड का है।

देनदारियाँ	2004	2005	परिसंपत्तियाँ	2004	2005
अंश पूँजी	2,400	3,600	भूमि व भवन	1,620	1,040
आरक्षित व अधिशेष	1,872	2,124	संयंत्र व मशीनरी	1,860	4,716
ऋण पत्र	300	600	फर्नीचर व फिटिंग्स	54	108
दीर्घकालिक ऋण	900	1,530	अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ	120	180
देय विपत्र	1,530	702	दीर्घकालिक ऋण	276	354
अन्य चालू दायित्व	42	60	रोकड़ व बैंक शेष	708	60
			प्राप्य विपत्र	1,254	1,120
			स्टॉक	960	780
			पूर्वदत्त व्यय	18	18
			अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	174	240
	7,044	**8,616**		**7,044**	**8,616**

सामान्य आकार तुलन पत्र बनाते हुए एवं इसकी मदद द्वारा कंपनी की वित्तीय स्थिति का विश्लेषण करें।

© NCERT not to be republished

6. साथ में लगी हुई तुलन पत्र एवं लाभ व हानि खाता सूमो लोजिस्टिकस प्रा. लि. से संबंधित है। इन्हें समरूप विवरणों में परिवर्तित कीजिए।
पूर्व वर्ष = 2005 चालू वर्ष = 2006

(रु. लाखों में)

दायित्व	*पूर्व वर्ष*	*चालू वर्ष*
दायित्व		
समता अंश पूँजी	240	240
सामान्य आरक्षित	96	182
दीर्घकालिक ऋण	182	169.5
लेनदार	67	52
बकाया व्यय	6	–
अन्य चालू दायित्व	9	6.5
कुल देनदारियाँ	**600**	**650**
परिसंपत्तियाँ		
मूल्यह्रास को घटाकर निवल संयंत्र परिसंपत्ति	402	390
रोकड़	54	78
देनदार	60	65
निवेश	84	117
कुल परिसंपत्ति	**600**	**650**

वर्ष की समाप्ति पर आय विवरण

(रु. लाखों में)

विवरण	*पूर्व वर्ष*	*चालू वर्ष*
सकल विक्रय	390	480
घटाया– वापसी	(20)	(30)
निवल विक्रय	350	450
घटाया– बेचे गये मूल्य की लागत	(190)	(215)
सकल लाभ	160	235
घटाया– विक्रय व प्रशासकीय खर्चे	(50)	(72)
प्रचालन लाभ	110	163
घटाया– ब्याज व्यय	(20)	(17)
कर से पूर्व अर्जन	90	146
घटाया– कर	(45)	(73)
कर के बाद अर्जन	45	73

© NCERT not to be republished

7. निम्नलिखित विवरण पारसनाथ लि. के लाभ व हानि खातों से निकाले गए हैं। आप इनकी प्रवृति प्रतिशत परिकलित करें।

वर्ष (रु.)	*विक्रय (रु.)*	*मजदूरी (रु.)*	*डूबत ऋण (रु.)*	*कर के पश्चात लाभ (रु.)*
2003	3,50,000	50,000	14,000	16,000
2004	4,15,000	60,000	26,000	24,500
2005	4,25,000	72,200	29,000	45,000
2006	4,60,000	85,000	33,000	60,000

8. ए बी सी से प्राप्त निम्नलिखित आँकड़ों (संख्याओं) प्रवृत्ति प्रतिशत को परिकलित करें। इसमें वर्ष 2000 को आधार वर्ष बनाएं और प्रतिपादन करें–

(रु. लाखों में)

वर्ष	*विक्रय*	*स्टॉक*	*कर से पूर्व लाभ*
2000	1,500	700	300
2001	2,140	780	450
2002	2,365	820	480
2003	3,020	930	530
2004	3,500	1,160	660
2005	4,000	1,200	700

9. निम्नलिखित आँकड़े 31 मार्च 2006 पर माधुरी लिमिटेड के तुलन पत्र से देनदारियों के पक्ष से संबंधित है। आपको वर्ष 2002 को आधार मानते हुए प्रवृत्ति प्रतिशत की गणना करनी है–

(रु. लाखों में)

दायित्व	*2002*	*2003*	*2004*	*2005*	*2006*
अंश पूँजी	100	125	130	150	160
आरक्षित एवं अधिशेष	50	60	65	75	80
12% ऋण पत्र	200	250	300	400	400
बैंक अधिविकर्ष	10	20	25	25	20
लाभ व हानि खाता	20	22	28	26	30
विविध लेनदार	40	70	60	70	75

© NCERT not to be republished

स्वयं जाँचिये हेतु जाँच सूची

स्वयं जाँचिये – 1

1. सरलीकरण 2. वर्णित 3. क्षैतिज का प्रभाव 4. लम्बवत 5. रोकड़ प्रवाह

स्वयं जाँचिये – 2

1. द 2. द 3. स 4. अ 5. ब

स्वयं जाँचिये – 3

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. सत्य
6. असत्य 7. सत्य 8. सत्य 9. सत्य 10. सत्य

© NCERT not to be republished